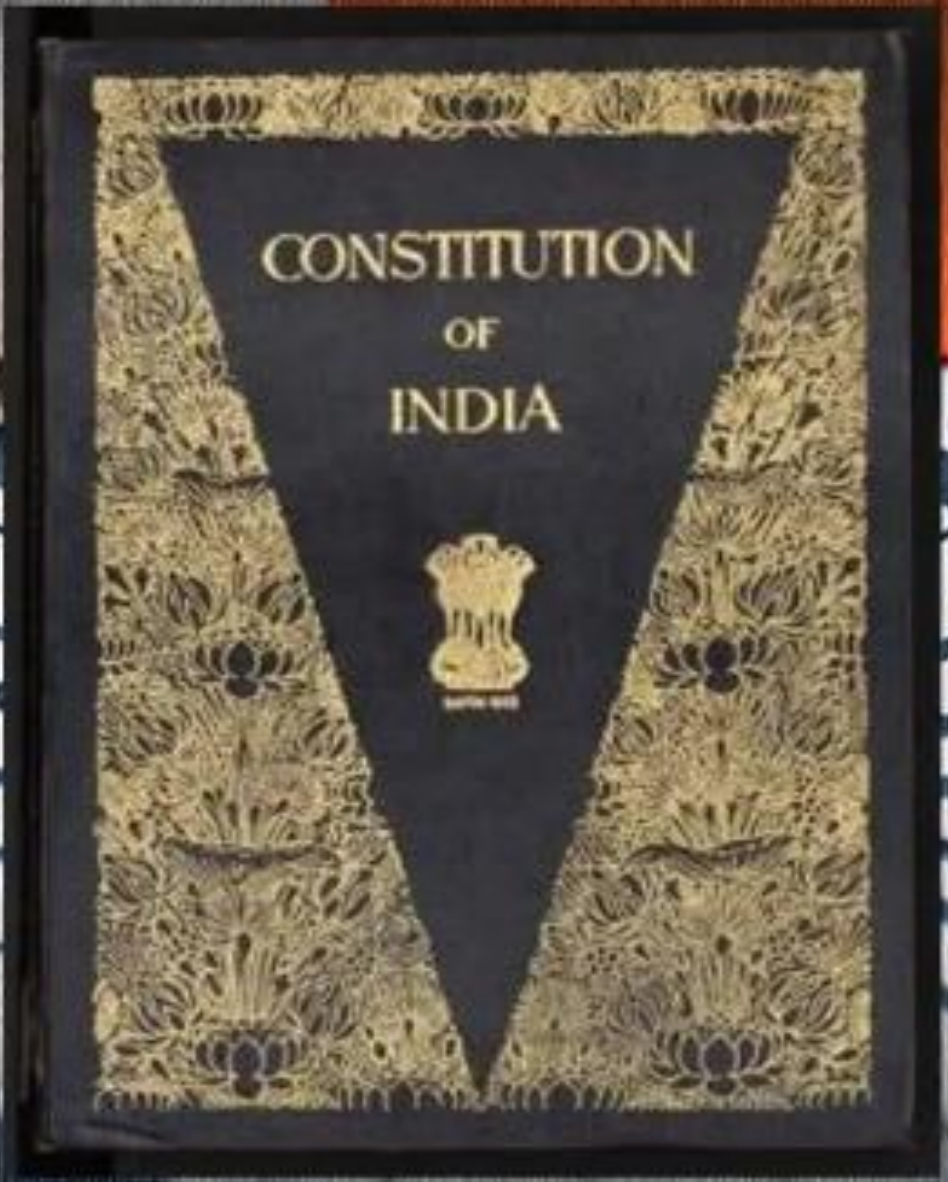


THE CONSTITUTION OF
INDIA
PREAMBLE



मूल अधिकार
Fundamental Right

Article : 21 Right to Life and Personal Liberty

विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया (Procedure Established by Law) के अनुसार ही किसी व्यक्ति को उसके जीवन एवं दैहिक स्वतंत्रता से वंचित किया जा सकता है।

मुद्दे से जुड़े प्रमुख वाद (Important Cases)

| Case Name | Court's Decision |
|--------------------------|--|
| A.K. Gopalan Case (1950) | <ul style="list-style-type: none"><input type="checkbox"/> कोर्ट द्वारा संकुचित व्याख्या।<input type="checkbox"/> कोर्ट के अनुसार अनुच्छेद 21 के भीतर सिर्फ मनमाने कार्यपालिका के कार्य के विरुद्ध अधिकार प्राप्त है, विधायिका के विरुद्ध नहीं।<input type="checkbox"/> विधायिका विधि बनाकर जीवन के अधिकार एवं दैहिक स्वतंत्रता समाप्त कर सकती है। |



| Case Name | Courtr's Decision |
|--|---|
| <p>ADM Jabalpur v/s SHIVKANT SHUKLA case/ Habeous Corpus case (1976)</p> | <ul style="list-style-type: none">❑ कोर्ट के इतिहास का सबसे विवादित फैसलों में से कोई एक❑ विशेष परिस्थितियों में Article 21 भी छीना जा सकता है (आपातकाल में) |
| <p>मेनका गांधी वाद (1978)</p> | <ul style="list-style-type: none">❑ न्यायालय द्वारा विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया के स्थान पर विधि की उचित प्रक्रिया की संकल्पना का प्रयोग (Due Proces of Law)❑ जीवन का अधिकार एवं स्वतंत्रता का अधिकार (Art-19) एक-दूसरे के पूरक हैं। |

| Procedure Established by Law | Due Proces of Law |
|--|--|
| <ul style="list-style-type: none"><input type="checkbox"/> जापान के संविधान से लिया गया है परंतु ब्रिटिश संकल्पना।<input type="checkbox"/> यह सिर्फ कार्यपालिका को मनमाना चरित्र अपनाने से रोकता है, विधायिका को नहीं।<input type="checkbox"/> नहीं।<input type="checkbox"/> न्यायिक पुनरावलोकन की सीमित दायरा क्योंकि कोर्ट की नजर विधि निर्माण की प्रक्रिया पूरी होने तक ही है। | <ul style="list-style-type: none"><input type="checkbox"/> अमेरिकी संकल्पना<input type="checkbox"/> विधायिका \$ कार्यपालिका<input type="checkbox"/> प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का अनुपालन<input type="checkbox"/> विधि तार्किक, युक्तियुक्त एवं औचित्यपूर्ण होनी चाहिए।<input type="checkbox"/> Judicial Review Broad |

अनुच्छेद-21

न्यायालय द्वारा सबसे अधिक व्याख्यापित अनुच्छेद है। इसमें सिर्फ सांस लेना ही जीवन के अधिकार में शामिल नहीं, अपितु जीवन के विभिन्न आयामों सुखद अनुभव हो, इसकी परिधि में शामिल हैं। अतः न्यायालय ने जीवन के अधिकार के भीतर अन्य महत्वपूर्ण अधिकारों की व्याख्या की है जो निम्नलिखित हैं:-



| अधिकार | महत्वपूर्ण वाद तथा तथ्य |
|---|--|
| <input type="checkbox"/> 1. निजता का अधिकार | <input type="checkbox"/> K.S. Puttaswami case (2018) |
| <input type="checkbox"/> 2. शिक्षा का अधिकार | <input type="checkbox"/> Mohini Jain v/s State of Karnataka (1992) <input type="checkbox"/> 86th CAA (2002) <input type="checkbox"/> Article 21 (A) Added <input type="checkbox"/> 6-14 वर्ष तक के बच्चों को मुफ्त शिक्षा |
| <input type="checkbox"/> 3. विदेश जाने का अधिकार | <input type="checkbox"/> Menaka Gandhi Case (1978) |
| <input type="checkbox"/> 4. आजीविका का अधिकार | <input type="checkbox"/> Olga Telis v/s BMC (1985) |
| <input type="checkbox"/> 5. इच्छामृत्यु (Euthnasia) का अधिकार | <input type="checkbox"/> Gyan Kaur v/s Punjab State <input type="checkbox"/> मृत्यु का अधिकार शामिल नहीं <input type="checkbox"/> अरुणा शानबाग वाद |

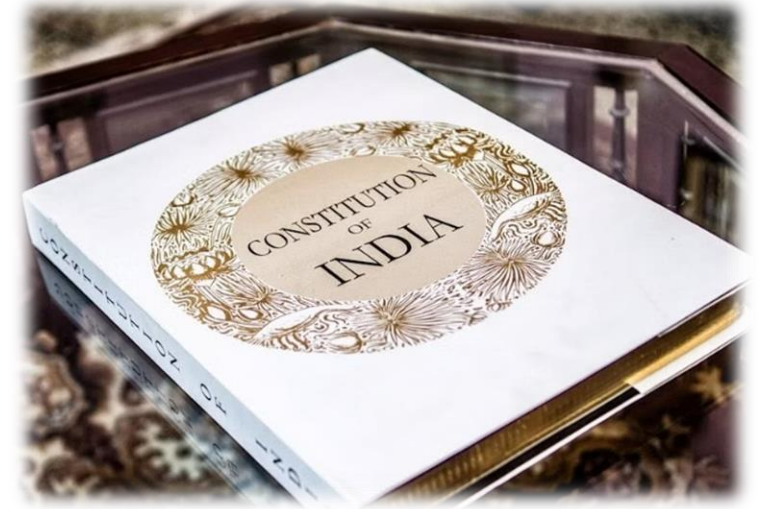
| अधिकार | महत्वपूर्ण वाद तथा तथ्य |
|--|--|
| <input type="checkbox"/> 6. चिकित्सा सहायता प्राप्त करने का अधिकार | <input type="checkbox"/> परमानंद कटारा वाद |
| <input type="checkbox"/> 7. सार्वजनिक स्थान पर धूम्रपान निषेध | <input type="checkbox"/> मुरली देवरा v/s UOI |
| <input type="checkbox"/> . प्रदूषण मुक्त पर्यावरण का अधिकार | <input type="checkbox"/> M.C. Mehta Case |

अनुच्छेद - 22

- ❑ गिरफ्तारी और निवोध से संरक्षण का अधिकार
(Protection Against Arrest and detention in Certain Cases)

Article 22 (1)

- ❑ गिरफ्तारी से पहले व्यक्ति को कारण बताना होगा।
- ❑ अपनी पसन्द के विशेषज्ञ/वकील से सलाह/चर्चा करने का अधिकार
- ❑ 24 घंटे के भीतर मजिस्ट्रेट के समक्ष उपस्थित करना होगा परंतु इसके यात्रा में लगे समय को शामिल नहीं किया जाएगा।



Article 22 (2)

- ❑ किसी बंदी व्यक्ति को 24 घंटे से अधिक समय तक तभी रखा जाएगा जब मजिस्ट्रेट ने अग्रिम अनुमति दी हो।

Article 22 (3)

- ❑ यह अधिकार Enemy Alien (विदेशी शत्रु) तथा Preventive Detention के अंतर्गत गिरफ्तार व्यक्ति को उपलब्ध नहीं।



| Preventive Detention (निवारक निरोध) | Punitive Detention (दंडात्मक जनरबंदी) |
|--|--|
| <ul style="list-style-type: none">❑ अपराध से पहले, संदेह के आधार पर❑ यह प्रावधान नहीं | <ul style="list-style-type: none">❑ अपराध के बाद❑ इसके अंतर्गत व्यक्ति को पुलिस केवल 24 घंटे के लिए बंदी बना सकती है। |

Article 22 (4) - 22 (7) - Right Under Preventive Detention

Maximum - 3 महीना



अधिक समय के लिए



सलाहकार बोर्ड की अनुमति



अध्यक्ष - उच्च न्यायालय के न्यायाधीश समकक्ष
योग्यता

❑ बंदी को आधार बताना पड़ेगा।



- नोट : Preventive Detention पर कानून संसद और विधानसभा दोनों बना सकती हैं परंतु Defence, विदेशी मामले और भारत की सुरक्षा से संबंधित मामले पर केवल संसद कानून बना सकती है।



विभिन्न निवारक निरोध कानून

1. Preventive Detention Act (निवारक निरोध अधिनियम, 1950) - 1969 में समाप्त
2. Maintenance of Internal Security Act, (MISA Act) (आंतरिक सुरक्षा कानून, 1971) - 1978 में समाप्त
3. Conservation of Foreign Exchange & Preventive of Smuggling activities Act (COFEPOSA), 1974 (विदेशी मुद्रा संरक्षण एवं तस्करी निवारक अधिनियम)



4. **National Security Act (राष्ट्रीय सुरक्षा कानून, 1980) - निरस्त**
5. **Terrorist & Disruptive Activities (Prevention) Act (TADA) (आतंकवाद एवं विध्वंसक गतिविधि निवारक अधिनियम 1985) - निरस्त**
6. **Prevention of Terrorism Act, 2002 (POTA) (आतंकवाद निवारक अधिनियम) - 2004 में निरस्त**
7. **Unlawful Activities Prevention Act (UAPA, 1967) - 2008 में संशोधन - 2019 में संशोधन**

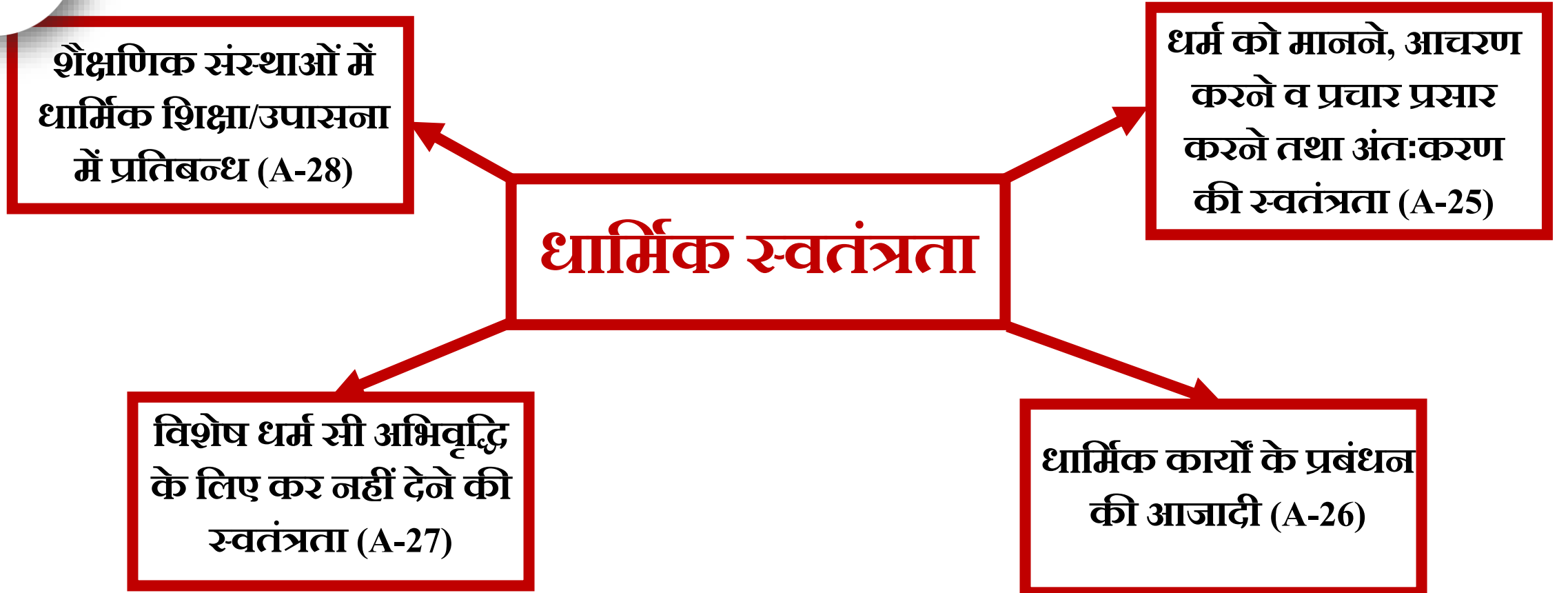


शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation)

- ❑ Article 23 - मानव के दुर्व्यापार एवं बलात् श्रम का निरोध
- ❑ Article 24 - 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों का कारखाना, खान तथा अन्य खतनाक काम करने का प्रतिषेध।

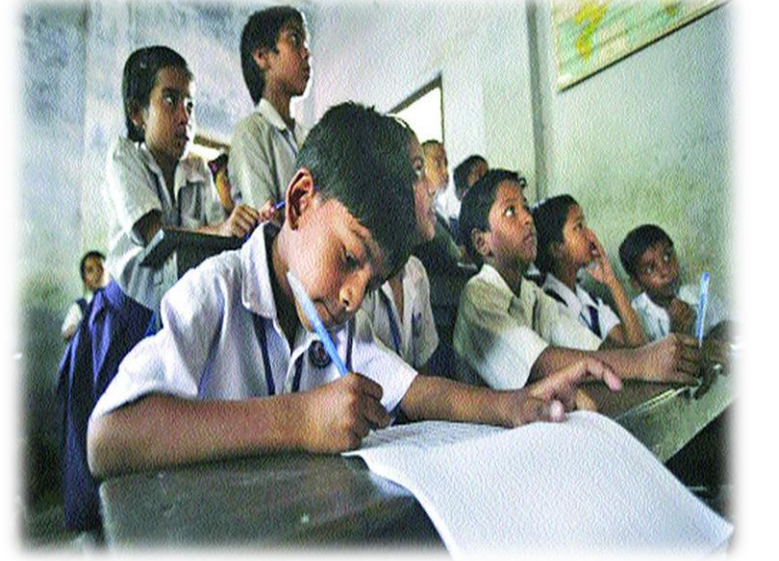


धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Article 25-28)



नोट - A-28(1) राज्य द्वारा निर्मित एवं पूर्णतः वित्तपोषित शैक्षणिक संस्थानों में धार्मिक शिक्षा पर पूर्ण प्रतिबंध

- ❑ A-28 (2) - ऐसे शिक्षण संस्थाएँ जो राज्य द्वारा मान्यता एवं अनुदान प्राप्त हो, तो धार्मिक शिक्षा छात्र/छात्रा की सहमति के पश्चात दी जाएगी।
- ❑ A-28 (3) - ट्रस्ट द्वारा संचालित शैक्षणिक संस्थाओं में धार्मिक शिक्षा प्रदान की जा सकती है।



अल्पसंख्यकों के शिक्षा एवं संस्कृति संबंधी अधिकार (A 29-30)

- भारतीय संविधान में भाषायी एवं धार्मिक आधार पर अल्पसंख्यकों की चर्चा की गई।
- परंतु अल्पसंख्यक को कहीं भी परिभाषित नहीं किया गया है।
- यह अधिकार भी सिर्फ भारत के नागरिकों को प्राप्त है।



- ❑ A-29 (1) - भारत के प्रत्येक नागरिक को अपनी विशेष भाषा व लिपि या संस्कृति को संरक्षित करने का अधिकार है।
- ❑ A- 29 (2) - किसी भी नागरिक को धर्म, भाषा, मूलवंश, जातीय आधार पर शैक्षणिक संस्थाओं में प्रवेश देने में भेदभाव नहीं किया जाएगा।
- ❑ Article 30 - अल्पसंख्यकों के शिक्षण संस्थानों एवं प्रबंध का अधिकार।

